Mob. No. - 9934844102
9430003006

भगवान श्री सूर्यनारायण इण्टर कॉलेज

देव, औरंगाबाद (बिहार)

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (उच्च/माध्यमिक) पटना से स्थायी सम्बद्धता प्राप्त

PROSPECTUS

website - www.bssnintercollege.in
deokrc@gmail.com

निर्देशिका

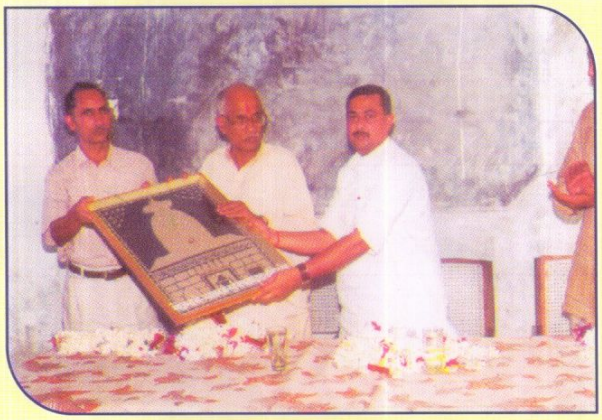

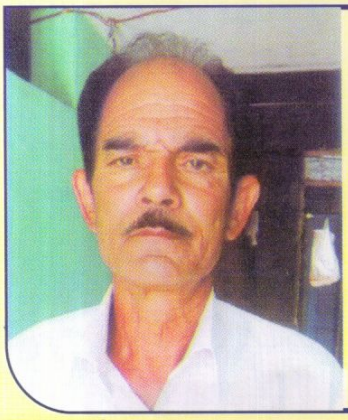

भूमि दान-दाता

त्रिलोकी मिश्रा

ग्राम-कुरका, देव
औरंगाबाद (बिहार)

प्राचार्य का संदेश

भगवान श्री सूर्य नारायण इण्टर महाविद्यालय देव औरंगाबाद की स्थापना 1983 में साक्षात सूर्यदेव देव के नाम सम्पूर्ण देवांचल में इण्टर शिक्षा के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से की गई। इस महाविद्यालय के स्थापना काल से प्रबन्धन में स्वामी मुरारी द्विवेदी, मदन प्रसाद सिंह, पूर्व मंत्री स्व. दिलकेश्वर राम, डॉ. राधेश्याम मिश्र , ब्रजबहादुर सिंह, स्व. रणजीत सिंह का अहम योगदान तथा भूमिका रही है।

भगवान श्री सूर्य नारायण इण्टर महाविद्यालय देव एक ख्याति प्राप्त महाविद्यालय है। महाविद्यालय में नामांकन लेने के आपके निर्णय का मैं स्वागत करता हूँ तथा आपको आश्वस्त करता हूँ कि यह महाविद्यालय आपके भविष्य को संवारने में पूरा योगदान देगा। महाविद्यालय संस्कार युक्त शिक्षा ग्रहण करने का सुगम एवं सुलभ संस्थान है। योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों के निर्देशन में सभी विषयों की नियमित पढ़ाई एवं परीक्षा की विशेष तैयारी महाविद्यालय के शैक्षणीक वातावरण को और भी प्रभावित करता है। वर्ष 2012 एवं 2013 की बारहवीं परीक्षा में क्रमशः कला संकाय में सातवां एवं विज्ञान संकाय में पांचवा स्थान प्राप्त कर सम्पूर्ण विहार में महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। वित रहीत शिक्षा निति के तहत संचालित यह महाविद्यालय संसाधनों की कमी के बावजूद गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा पर जोर देते रहीं है। यही कारण है कि क्षेत्र के बाहर के लोग भी इण्टर शिक्षा ग्रहण करने दूर-दूर से आते हैं।

कठिन परिश्रम और अनुशासन हमारा मूलमंत्र है। मैं आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

अरविन्द कुमार सिंह

प्राचार्य

संस्थापक सचिव का संस्मरण

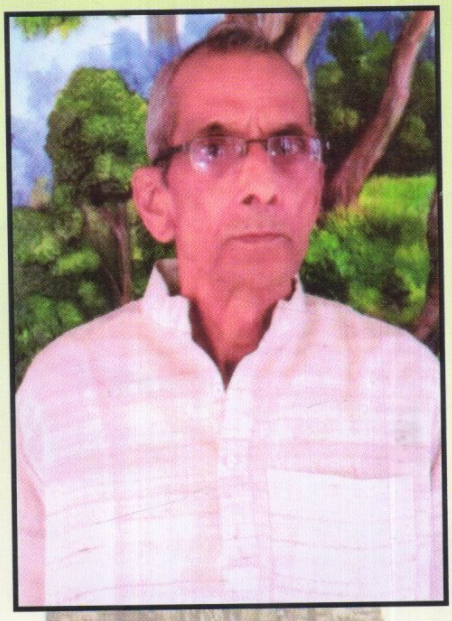

मगध प्रक्षेत्र के ऐतिहासिक जिला औरंगाबाद के छोटे से कस्बा लेकिन धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण पयर्टन स्थल देव के मुख्यालय में अवस्थित भगवान श्री सूर्यनारायण इण्टर महाविद्यालय देव की स्थापना 1983 में की गई थी। महाविद्यालय की स्थापना देव क्षेत्र के ग्रामिण परिवेश में पल रहे छात्र-छात्राओं की आवश्यकता को ध्यान में रख कर की गई। 1983 में महाविद्यालय स्थापना के पूर्व इस क्षेत्र से शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्र-छात्राओं को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता था। हमें प्रसन्नता है कि अपने स्थापना काल से ही यह महाविद्यालय शैक्षणिक वातावरण को व्यवस्थित ढ़ग से एक सुलभ पारिवारिक माहौल उपलब्ध कराने में सफल रहा है।

महाविद्यालय को कला एवं विज्ञान संकाय में प्रस्वीकृत प्राप्त है, तथा वाणिज्य संकाय में प्रस्वीकृति हेतु आवश्यक शर्ते पूरी करते हुये सत्र 2012-14 से विभागीय कार्यवायी प्रारम्भ की गई है। महाविद्यालय के कुशल प्राचार्य अरविन्द कुमार सिंह के नेतृत्व में महाविद्यालय के सभी योग्य शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मी पूरी तन्मयता से कार्य कर रहे है। सत्र 2010-12 में कला संकाय में महाविद्यालय की छात्रा को पूरे विहार में सांतवा स्थान एवं 2011-13 में विज्ञान संकाय में पाचवां स्थान प्राप्त करना महाविद्यालय की गौरवपूर्ण शैक्षणिक व्यवस्था को सम्पुष्टि करती है।

कठिन परिश्रम और अनुशासन हमारा मूलमंत्र है। मैं महाविद्यालय के उत्थान एवं चर्तुदिक विकास की कामना करता हूँ।

मदन प्रसाद सिंह

संस्थापक सचिव के कलम से

महाविद्यालय : एक परिचय

औरंगाबाद जिले के ऐतिहासिक एवं धार्मिक नगरी देव में स्थित भगवान श्री सूर्य नारायण इण्टर महाविद्यालय देव की स्थापना सन् 1983 में हुई। औरंगाबाद जिला मुख्यालय से लगभग 20 कि. मी. कि दूरी पर स्थित यह महाविद्यालय ग्रामिण परिवेश में पल रहे बच्चे एवं बच्चियों में उच्च शिक्षा ग्रहण करने का एक मात्र योग्य एवं कुशल संस्थान है। देव प्रखंड में इण्टर महाविद्यालय की परिकल्पना देव जैसे छोटे से कस्बो में जहाँ उग्रवाद एवं पिछड़ापन व्याप्त थी, एक साहसी कदम साबित हुआ। महाविद्यालय की स्थापना स्वामी मुरारी द्विवेदी एवं मदन प्रसाद सिंह के संयुक्त एवं सार्थक प्रयास से संभव हो सका है। देव में प्रसिद्ध भगवान सूर्य का अद्वितीय मंदिर जहाँ प्रत्येक साल लाखो पयर्टक एवं श्रद्धालू छठ व्रत करने आते हैं। महाविद्यालय का नामकरण भी किसी व्यक्ति के बजाय साक्षात सूर्य भगवान के नाम पर किया गया। स्थापना के समय में आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने का श्रेय ग्राम दत्तु बिगहा निवासी स्व. ब्रज बहादुर सिंह एवं स्व. रणजीत सिंह का रहा है। महाविद्यालय अपने स्थापना काल से लगातार आर्थिक तंगी के बावजूद उत्तरोतर विकास करते गया। काफी उतार-चढ़ाव के बाद महाविद्यालय इण्टर शिक्षा के क्षेत्र में औरंगाबाद जिले विशिष्ट महाविद्यालय के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में सफल रही। महाविद्यालय के विकास में देव क्षेत्र के कई लोगों का सराहनीय योगदान रहा उनमें डा. राधेश्याम मिश्रा जी (कुरका), विजय कुमार सिंह (भवानीपुर), मो. हाजी इस्माईल (हाजीनगर), त्रिलोकी मिश्रा (कुरका) एवं माधो शरण मिश्रा (कुरका) प्रमुख रूप से शामिल हैं। महाविद्यालय को भूमि उपलब्ध कराकर त्रिलोकी मिश्रा एवं जगमुरत देवी ने उदारता का परिचय दिया है।

महाविद्यालय को आध्यात्मिक एवं नैतिक रूप से सबल बनाने में श्री 1008 त्रिदंडी स्वामी जी महाराज की योगदान अविस्मरणीय है। महाविद्यालय के प्रस्तावित भवन का शिलान्यास तत्कालिन स्वास्थय एवं परिवार कल्याण मंत्री स्व. दिलकेश्वर राम बिहार सरकार द्वारा किया गया। जिसने अपने ऐच्छिक निधि द्वारा 95,000 तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. सत्येन्द्र नारायण सिन्हा द्वारा 15,000 देकर ठोस

आधार शिला रखी। महाविद्यालय के व्यवस्था से प्रभावित होकर महाविद्यालय की आवश्यकता को देखते हुए डा. शंकर दयाल सिंह राज्य सभा सांसद द्वारा अपने ऐच्छिक निधि द्वारा 50,000 तत्कालिन सांसद श्रीमती श्याम सिन्हा जी द्वारा 2,00,000 लाख रू. तत्कालिन विधान पार्षद श्री महाविर लाल विश्वकर्मा द्वारा अपने ऐच्छिक निधि द्वारा 5,00,000 लाख रू., सदस्या बिहार विधान सभा श्रीमती रेणु देवी द्वारा 5,50,000 पांच लाख पचास हजार रू. विधान पार्षद रंजन कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह द्वारा लगभग 8,00,000 आठ लाख रू. माननीय सांसद सुशील कुमार सिंह एवं विधान पार्षद संजीव श्याम सिंह ने भी 10,00,000 लाख रू. अपने ऐच्छिक निधि द्वारा उपलब्ध कराकर महाविद्यालय उत्थान में सराहनीय योगदान दिया है। अपने ऐच्छिक निधि द्वारा महाविद्यालय तक पहुँचने हेतु सड़क एवं पुलिया का निर्माण जिला परिषद अध्यक्ष द्वारा कराया गया। बाद में पंचायत समिति द्वारा ईंट सोलींग कराकर सुगम पथ का निर्माण कराया गया। महाविद्यालय परिसर में पक्की सड़क का निर्माण देव पंचायत मुखिया श्रीमती उमा देवी के प्रयास से ही संभव हो सका है । परिसर को हरा-भरा करने में भी इनका सहयोग सराहनीय है।

महाविद्यालय को सत्र 2010-12 में इण्टर कला संकाय में महाविद्यालय को विहार में सातवां स्थान एवं सत्र 2011-13 में विज्ञान संकाय में विहार में पाचवां स्थान प्राप्त होने का गौरव प्राप्त है।

महाविद्यालय के स्थापना काल से कई प्रधानाचार्य कार्य कर चुके जिनमें वर्तमान प्राचार्य अरविन्द कुमार सिंह का कार्यकाल उत्कृष्ट एवं सराहनीय रहा है। इनके नेतृत्व में महाविद्यालय कई गौरवपूर्ण किर्तिमान स्थापित किया है। महाविद्यालय को इण्टर कला एवं विज्ञान संकाय में प्रस्वीकृति प्राप्त है तथा वाणिज्य संकाय में सत्र 2012-14 से प्रस्वीकृति प्राप्त करने की प्रक्रिया विभागीय स्तर पर चल रही है। महाविद्यालय द्वारा गरीब एवं मेघावी छात्र-छात्राओं को छात्रवृति सुविधा उपलब्ध करायी गई है। राज्य सरकार द्वारा भी इन्हें विशेष प्रोत्साहन दिया जाता है।

भगवान श्री सूर्यनारायण इण्टर कॉलेज, देव (औरंगाबाद)

महाविद्यालय परिवार प्राध्यापकों की सूचि

1.	श्री अरविन्द कुमार सिंह	–	प्राचार्य	–	एम. ए. इतिहास विभाग
2.	श्री सुनील कुमार सिन्हा	–	विभागाध्यक्ष	–	इतिहास
3.	रामलखन सिंह	–	व्याख्याता	–	इतिहास
4.	श्री कमलेश कुमार तिवारी	–	विभागाध्यक्ष	–	अर्थशास्त्र
5.	श्री डॉ. रामएकबाल पाठक	–	व्याख्याता	–	अर्थशास्त्र
6.	श्री सिंगेश्वर महतो	–	विभागाध्यक्ष	–	राजनीतिशास्त्र
7.	श्रीमती माधुरी कुमारी	–	व्याख्याता	–	राजनीतिशास्त्र
8.	श्री अनिल कुमार सिंह	–	विभागाध्यक्ष	–	मनोविज्ञान
9.	श्री प्रमोद कुमार पाण्डेय	–	व्याख्याता	–	मनोविज्ञान
10.	श्री प्रमोद कुमार सिंह	–	विभागाध्यक्ष	–	संस्कृत
11.	श्री सुदर्शन दास	–	व्याख्याता	–	संस्कृत
12.	श्रीमती कनक मिश्रा	–	विभागाध्यक्ष	–	गृहविज्ञान
13.	रिक्त	–	व्याख्याता	–	गृहविज्ञान
14.	श्री रमेश कुमार सिंह	–	विभागाध्यक्ष	–	अंग्रेजी
15.	सर्वेश कुमार सिंह	–	व्याख्याता	–	अंग्रेजी
16.	श्री राजीव रंजन सिंह	–	विभागाध्यक्ष	–	हिन्दी
17.	श्रीमती उर्मीला कुमारी	–	व्याख्याता	–	हिन्दी
18.	श्री अरूण कुमार सिंह	–	विभागाध्यक्ष	–	पाली
19.	श्री मो. जुल्फेकार हैदर	–	विभागाध्यक्ष	–	उर्दू
20.	श्री मो. इम्तेयाज आलम	–	व्याख्याता	–	उर्दू
21.	श्री राजीव कुमार पाण्डेय	–	विभागाध्यक्ष	–	भूगोल
22.	श्री सुजीत कुमार मिश्रा	–	व्याख्याता	–	भूगोल
23.	श्री रंजन कुमार	–	विभागाध्यक्ष	–	समाजशास्त्र
24.	रिक्त	–	व्याख्याता	–	समाजशास्त्र
25.	श्री भरत प्रसाद सिंह	–	विभागाध्यक्ष	–	दर्शनशास्त्र
26.	रिक्त	–	व्याख्याता	–	दर्शनशास्त्र
27.	श्री लवलेश कुमार सिंह	–	विभागाध्यक्ष	–	प्राचिन इतिहास
28.	रिक्त	–	व्याख्याता	–	प्राचिन इतिहास

29.	श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह	–	विभागाध्यक्ष	–	गणित
30.	श्री सूर्यभूषण सिंह	–	व्याख्याता	–	गणित
31.	श्री मिथिलेश कुमार सिंह	–	विभागाध्यक्ष	–	जीवविज्ञान
32.	श्री मृत्युंजय कुमार निराला	–	व्याख्याता	–	जीवविज्ञान
33.	श्री चेतन कुमार गौतम	–	विभागाध्यक्ष	–	रसायनशास्त्र
34.	श्री नरेन्द्र प्रसाद	–	व्याख्याता	–	रसायनशास्त्र
35.	श्री सुनील सिंह	–	विभागाध्यक्ष	–	भौतिकी शास्त्र
36.	श्री कुमार शैलेन्द्र सिंह	–	व्याख्याता	–	भौतिकी शास्त्र

सहायक

1.	**श्री कुमार सरोज सिंह**	–	**प्रधान सहायक**
2.	श्री नागेश्वर मेहता	–	सहायक
3.	श्री सुरेन्द्र प्रसाद मेहता	–	सहायक
4.	श्री मुखदेव राम	–	सहायक
5.	श्री आलोक कुमार	–	सहायक
6.	श्री कुमार धीरज	–	सहायक
7.	श्री चंदन कुमार मिश्रा	–	सहायक
8.	श्री रघुवीर प्रसाद	–	सहायक
9.	श्री दीपक कुमार सिंह	–	सहायक

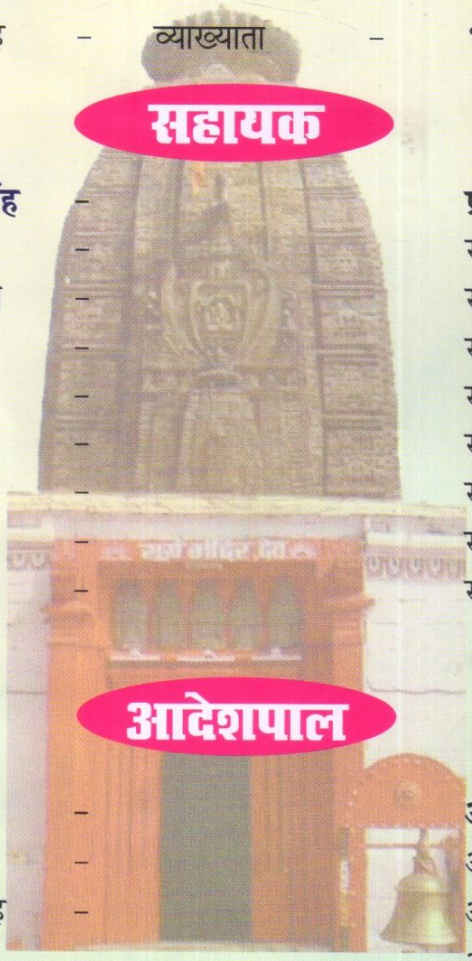

आदेशपाल

1.	**श्री देवेन्द्र प्रसाद**	–	**अनुसेवक**
2.	श्री अशोक मेहता	–	अनुसेवक
3.	श्री सुशील कुमार सिंह	–	अनुसेवक
4.	श्रीमती सोनामति देवी	–	अनुसेविका
5.	श्री रामस्वरूप सिंह	–	अनुसेवक
6.	श्री रामनरेश पाण्डेय	–	अनुसेवक
7.	श्री प्रमोद कुमार सिंह	–	अनुसेवक
8.	श्री अन्तु रजक	–	अनुसेवक
9.	श्री भरत नारायण	–	अनुसेवक
10.	श्री ललन राम	–	स्वीपर
11.	श्री रामानन्द पासवान	–	रात्रि प्रहरी

1. नामांकन के सामान्य नियम

महाविद्यालय में इन्टर पाठ्यक्रमों में नामांकन का मूलआधार विगतमाध्यमिक परीक्षा का प्राप्तांक है। छात्रों को निर्धारित नामांक आवेदन प्रपत्र भरकर निर्धारित तिथि तक जमा करना होगा। आवेदन पत्र के साथ अंक पत्र की छाया प्रति, विद्यालय परित्याग प्रमाण-पत्र, आव्रजन प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, बैंक एकाउण्ट इत्यादि नामांकन के समय ही जमा करना होगा।

नामांकन के पश्चात छात्रों की 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है।

2. नामांकन तथा परीक्षा शूल्क

महाविद्यालय प्रबंध समिति के निर्णयानुसार, नामांकन एवम् परीक्षा शूल्क संकायवार देय होगा। अन्य बोर्ड या विश्वविद्यालय से उर्तीण छात्रों को निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त Migration शूल्क देय होगा।

3. इण्टर पाठ्यक्रम

इण्टर पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्षों की होगी। इसे xi वीं एवं xii वीं के रूप में जाना जायेगा। xi वीं की वार्षिक परीक्षा एवं xii वीं की जांच परीक्षा महाविद्यालय में ही आयोजित होगी। xi वीं परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर ही आगे की कक्षा में नामांकन एवं पंजीयन होगा ।

जो वि. वि. प. समिति के नियंत्रण में ली जायेगी।

इण्टरकला

अनिवार्य विषय :- भाषा – हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, संस्कृत, पाली इत्यादि में से कोई एक (100) अंक

द्वितीय भाषा :- (अनिवार्य) के रूप में 50 अंक की राष्ट्रभाषा हिन्दी अनिवार्य है। शेष 50 अंक के लिए उर्दू, अंग्रेजी आवश्यक है।

(अक: 50+50:= 100)

वैकल्पिक विषय :- निम्नांकित विषयों में से किसी तीन का चयन करना अनिवार्य है। एक विषय 100 अंक का होगा। इतिहास, राजनीतिक शास्त्र, भूगोल, मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, दशर्नशास्त्र संगीत इत्यादि। इन विषयों से कोई एक विषय विद्यार्थी ऐच्छिक विषय के रूप में रख सकता है। 100 अंक

इण्टर विज्ञान

अनिवार्य विषय:-

भाषा- हिन्दी, उर्दू, संस्कृत, अंग्रेजी में से कोई एक 100 अंक

दुसरी भाषा- के रूप में सभी छात्रों को 50 अंक की राष्ट्रभाषा अनिवार्य है। शेष 50 अंक उर्दू या अंग्रेजी का चयन अनिवार्य है। (50+50)- 100 अंक

वैकल्पिक विषय:-

भौतिकी 100 अंक

रसायन 100 अंक

जीवविज्ञान 100 अंक

गणित 100 अंक

इण्टर वाणिज्य

वैकल्पिक विषय:-

एकाउन्टेन्सी इंटरप्रेनरशिप, अर्थशास्त्र, व्यवसायिक अध्ययन

अनिवार्य विषय :-

भाषा- हिन्दी, उर्दू, संस्कृत, अंग्रेजी में से कोई एक 100 अंक

दुसरी भाषा- के रूप में सभी छात्रों को 50 अंक की राष्ट्रभाषा अनिवार्य है। शेष 50 अंक उर्दू या अंग्रेजी का चयन अनिवार्य है। (50+50)- 100 अंक

परिचय-पत्र

परिचय-पत्र सभी छात्रों के लिए अनिवार्य है। महाविद्यालय परिसर में तथा उसके बाहर भी परिचय पत्र ही आवश्यकता पड़ती है। परिचय-पत्र के लिए नामांकन के समय पासपोर्ट आकार के फोटो की 3 प्रतियां जमा करनी पड़ती है। सत्र में एक बार कॉलेज की ओर से परिचय-पत्र मिलेगा परिचय-पत्र खो जाने पर प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट द्वारा सत्यापित शपथ-पत्र जमा करने एवम् विशेष शुल्क जमा करने पर दूसरा परिचय-पत्र प्राप्त करेंगें।

समय सारिणी

छात्र महाविद्यालय द्वारा प्रसारित समय सारिणी का अनुसरण करे तथा उसी के अनुसार वर्ग में बैठे। वर्ग संचालन के समय इधर-उधर बैठें छात्रो पर अनुशासनिक कार्यवायी की जायेगी।

समय सारिणी संबंधी किसी भी कठिनाई के सामाधान हेतु समय सारिणी प्रभारी से सम्पर्क करें।

परीक्षा विभाग

महाविद्यालय में परीक्षा संचालक की देख रेख में परीक्षा विभाग कार्यरत है। इण्टरमीडिएट कक्षा के तीनों संकायों की परीक्षा से सम्बन्धित कोई भी जानकारी परीक्षा विभाग से प्राप्त की जा सकती है।

पुस्तकालय

महाविद्यालय के पुस्तकालय में सभी विषयों की पुस्तकें उपलब्ध हैं। छात्रों को परिचय-पत्र के आधार पर ही पुस्तकें प्राप्त हो सकती हैं एक छात्र को एक बार में अधिक से अधिक दो पुस्तकें ही मिल सकती है। जिन्हें 15 दिनों के अन्दर लौटा देना आवश्यक है।

क्रीड़ा परिषद

छात्रों के शारीरिक विकास एवं प्रतिस्पर्द्धा की भावना को बढ़ावा देने के लिए महाविद्यालय क्रीड़ा-परिषद की स्थापना की गयी है। इसके अन्तर्गत महाविद्यालय परिसर में खेलने और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए छात्रों को बाहर भेजने की व्यवस्था है।

पुष्पांजली प्रतिभा सम्मान

महाविद्यालय के तीनों संकायों (कला, विज्ञान, वाणिज्य) के छात्रों में प्रतिस्पर्द्धा की भावना जागृत करने हेतु पुष्पांजली प्रतिभा सम्मान उर्तीण प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्रों को दिया जाता है।

व्यवसायिक शिक्षा

महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से तकनीको शिक्षा प्रारम्भ किया गया है।

BCA, BBA, BJMC, B.LIS, PRA सहित अन्य पाठ्यक्रम की कक्षा प्रारम्भ है।

धनंजय कुमार पाण्डेय - व्यवसायिक शिक्षा प्रभारी

व्यवसायिक शिक्षा का मान्यता - मौलाना मजहरूल हक अरबी फारसी विश्वविद्यालय पटना से मान्यता प्राप्त है ।

Roll No.....

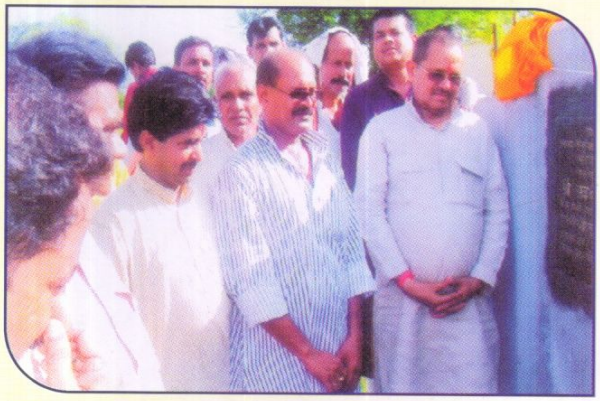

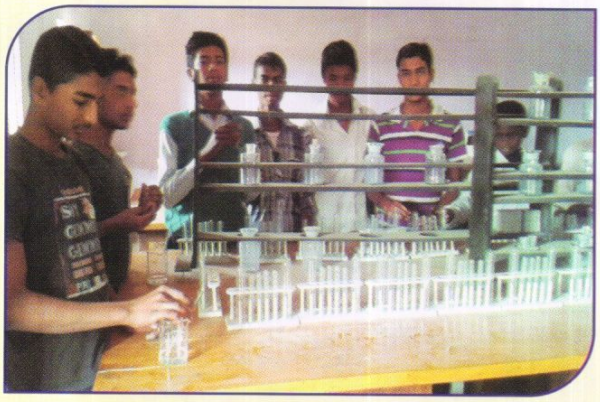

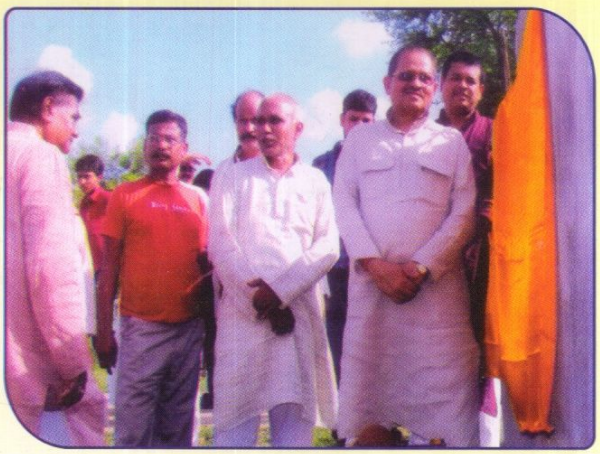

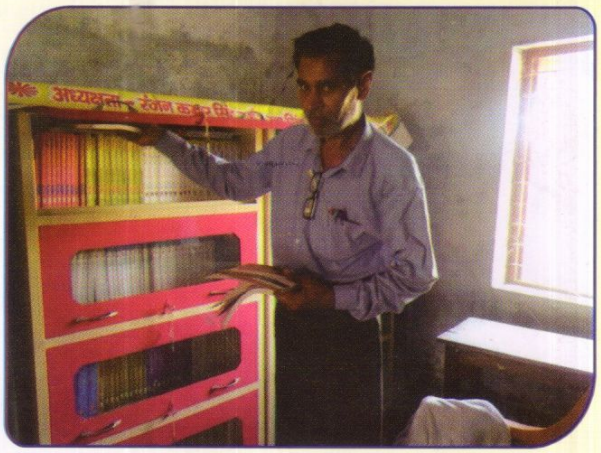

श्री दुर्गा प्रिंटर्स, औरंगाबाद, मो.-9430210415, 9801052651

₹ : 200/-